अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2019) **दिनांक :** 20.12.2019

समय : 3 घंटा **प्रथम वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र** **पूर्णांक : 100**

भिक्षु विचार दर्शन–80

प्र. 1 किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिये– 10

(क) प्रवृत्ति के श्रोत कौन-कौन से हैं?

(ख) आचार्य भिक्षु द्वारा लिखित संविधान में मन का समाधान पाने की महत्वपूर्ण प्रक्रिया क्या है?

(ग) वीर निर्वाण के पश्चात संघ की एकता विच्छिन्न सी कब होने लगी?

(घ) आचार और प्ररूपणा की समानता का मूल क्या है?

(ङ) गुरुदेव! इस पत्र में नाम एक ही होना चाहिए दो नहीं। यह प्रार्थना किसने किससे की?

(च) जर्मन विद्वान अलबर्ट स्वीजर के अनुसार भगवान महावीर की अहिंसा किसकी उपज है?

(छ) मुक्ति का साधन क्या है?

(ज) आचार्य भिक्षु के अनुसार जो धर्म के लिए हिंसा नहीं करता वह कौन है?

(झ) भगवान महावीर की आज्ञा का सार क्या है?

(ञ) पुद्गल की भूमिका में जीवन और मृत्यु क्या है?

(ट) आचार्य भिक्षु ने कहा–धर्म आराधना स्वतन्त्र मन से होती है। यहाँ मन की स्वतन्त्रता का तात्पर्य क्या है?

(ठ) राजनगर चातुर्मास में भीखणजी के साथ कौन-कौन से सन्त थे?

प्र. 2 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए– 10

(क) आचार्य भिक्षु ने तेरापंथ की व्यवस्था को अनेकता के दोष से बचाने के लिए क्या लिखा?

(ख) आचार्य भिक्षु अयोग्य दीक्षा की बाढ़ को रोकने में कैसे सफल हुए?

(ग) जैन धर्म में दया का रहस्य क्या है?

(घ) आचार्य भिक्षु ने दान का मोक्ष और संसार की दृष्टि से विश्लेषण करते हुए क्या लिखा?

(ङ) किसी ने कहा–'एकेन्द्रिय को मारकर पंचेन्द्रिय का पोषण करने में लाभ है।' आचार्य भिक्षु ने उक्त कथन का खंडन करते हुए क्या कहा?

(च) संक्षेप में स्पष्ट करें कि आचार्य भिक्षु को आचारहीनता असह्य थी। उससे भी अधिक असह्य थी श्रद्धाहीनता।

प्र. 3 किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दें– 28

(क) 'अहिंसा का अंकन जीवन या मरण से नहीं होता, उसकी अभिव्यक्ति हृदय की पवित्रता से होती है।' स्पष्ट करें।

(ख) सिद्ध करें कि आचार्य भिक्षु 'नैसर्गिक' प्रतिभा के धनी थे।

(ग) आचार्य भिक्षु वैयक्तिक जीवन में जितने आध्यात्मिक थे, सामुदायिक जीवन में उतने ही व्यावहारिक थे, स्पष्ट करें।

(घ) मिश्र धर्म की व्याख्या करें।

(ङ) आचार्य भिक्षु की व्यवस्था इसलिए प्राणवान है कि वे अनुशासन के पक्ष में बहुत ही सजग थे। स्पष्ट करें।

(च) आचार्य भिक्षु द्वारा लिखित 181 बोल की हुण्डी के आधार पर वर्तमान साधु-समाज की आचार शिथिलता का वर्णन करें।

प्र. 4 किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर विस्तार से दें– 32

(क) आचार्य भिक्षु द्वारा दिए गए विविध उद्धरणों से स्पष्ट करें कि मोक्ष धर्म का विशुद्ध स्वरूप क्या है?

(ख) राजनैतिक दूरदर्शिता की दृष्टि से सैनिक सहयोग का समर्थन नहीं किया जा सकता, उसी प्रकार आत्मिक दृष्टि से संयम को दिए जाने वाले संसारिक सहयोग को धार्मिक उच्चता नहीं दी जा सकती। गांधीजी व आचार्य भिक्षु के विचारों द्वारा स्पष्ट करें।

(ग) दोष परिमार्जन के विषय में गांधीजी व आचार्य भिक्षु के विचारों को स्पष्ट करते हुए संघ व्यवस्था में दोष परिमार्जन नीति पर सारगर्भित लेख लिखें।

भिक्षु वाणी–20

प्र. 5 कोई दो पद्य अर्थ सहित लिखें– 8

(क) पहड़े.....जगनाथ रो।।

(ख) जो थारे.....म कूको।।

(ग) ज्यूं अधर्म.....मांहे चाल्या।

(घ) कांदा ने.....लागे पास।।

प्र. 6 किन्हीं दो पद्यों की पूर्ति करें–

(क) लोही.....किम थायो।।

(ख) जे अणाचारी.....ज्यूं भूके।।

(ग) आभे.....परिया बघार।।

(घ) ग्यान रूप.....फाटे नेट।।

प्र. 7 कोई दो पद्य लिखें–

(क) कामभोग

(ख) असाधु

(ग) अविनीत।